ont>

Title: Regarding alleged tapping of telephones and threatening calls to the members of Parliament.

श्री राशिद अलवी : आपने जीरो आवर में बोलने का मौका दिया, मैं आपका बहुत शुक्रगुजार हूं। वीआईपी एरियाज की सिक्योरिटी और एमपीज की सिक्योरिटी का मामला बहुत अहम है। यह मामला हाउस में कई बार उठ चुका है। मेरे साथ ऐसा पिछले दिनों भी हुआ था जिसे मैं आपके नोटिस में लाया था और मैंने लिख कर भी दिया था। धमकी भरे टेलीफोन आना और इस तरह की दूसरी बातें आम बात है लेकिन कल मेरे घर पर 10-15 पुलिस की गाड़ियां आईं और मुझे इत्तला दी गई कि मेरे घर पर किसी ने बम रख दिया। सारी तलाशी हुई लेकिन कोई बम नहीं मिला। इसमें सबसे ज्यादा नाजुक मामला यह है कि मेरी जो बातचीत सिक्योरिटी आफिसर और पुलिस ऑफिसर से हुई, उनके मुताबिक जिस टेलीफोन से कंट्रोल रूम को फोन किया गया, उस टेलीफोन नम्बर का पता नहीं चला। उसके मुताबिक मुझे बताया गया कि कंट्रोल रूम के अन्दर न केवल टेलीफोन नम्बर आता है बल्कि जो आदमी जो भी बात कहता है या धमकी देता है या कंट्रोल रूम को कोई सूचना देता है., वह भी टेप हो जाती है। उसमें जो बात टेप हुई वह केवल इतनी हुई कि मेरे घर के एड्रैस में बम रख दिया गया। यह बात मुश्किल से दस सैकिंड में हुई होगी। इसका मतलब यह है कि वह आदमी इस बात को अच्छी तरह से जानता था। मेरे घर में चार-पांच मिनट में पुलिस पहुंच गई। इसका मतलब वह आदमी इस बात को अच्छी तरह से जानता था कि पुलिस का क्या सिस्टम है? यदि वह दो मिनट देर लगाएगा तो पकड़ा भी जा सकता है इसलिए उसने कोई रिस्क नहीं लिया और वह आदमी आधे सैकिंड के बाद इत्तला देकर भाग गया। किसी एक एमपी के बारे में मैंने अखबार में पढ़ा कि उनके घर तक का नक्शा उनके पास मौजूद था। मेरी जाती-दुश्मनी हिन्दुस्तान में किसी एक आदमी से भी नहीं है। मुझे इस बात का कोई खतरा नहीं कि जाती-दुश्मनी से कोई मुझे मारेगा। मुझे इस बात का भी कोई खतरा नहीं है कि कोई मुझे मार देगा लेकिन हाउस के रिकॉर्ड में मैं यह बात लाना चाहता हूं और सरकार से कहना चाहता हूं कि वह इस बारे में तवज्जो दे। मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा अगर सरकार कर सके तो वह करनी चाहिए। सरकार को तमाम वीआईपी एरियाज में तमाम एमपीज की सिक्योरिटी का इंतजाम करना चाहिए। मैं यह बात ऑन रिकॉर्ड लाना चाहता हूं और आपके माध्यम से सरकार से यही रिकवैस्ट करना चाहता हूं। धन्यवाद।

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, अपनी सुरक्षा के संदर्भ में मैंने एक बात आपके समक्ष रखी थी। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप यह बात बाद में उठाइए। मैं इस बारे में चर्चा नहीं कराना चाहता हूं।

कुंवर अखिलेश सिंह : श्री अखिलेश यादव को जो सुरक्षा दी गई, उसका भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने जो जवाब दिया, मैं वह आपके समक्ष रखना चाहता हूं। गृह मंत्रालय संसद सदस्यों की सुरक्षा के मामले में कितना गम्भीर है, वह इससे स्पट होता है। â€¦ (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष महोदय, संसद सदस्यों की सुरक्षा का भार आपके ऊपर है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैं हर सदस्य को बोलने के लिए दो मिनट ही दे सकता हूं।

12.24 hrs. RE : Flood situation in the State of Bihar and other parts of

of the country